कृषि पर आधारित उद्योग

784. **श्री शिवचरण सिंह** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस वर्ष देश में जिन्सवार कृषि पैदावार कितनी हुई है;

(ख) देश को इसकी कुल कितनी आवश्यकता होगी और कितनी मात्रा का निर्यात किया जाएगा;

(ग) कृषि आधारित उद्योगों द्वारा तैयार की गई एवं निर्यात की गई वस्तुओं तथा उससे अर्जित की गई विदेशी मुद्रा का ब्यौरा क्या है; और

(घ) कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए मौजूद सुविधाओं का ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन): (क) 1991-92 के दौरान देश में प्रमुख कृषि जिन्सों के उत्पादन के अनुमानों से संबंधित विवरण-1 में दिया गया है **(नीचे देखिये)** ।

(ख) विभिन्न जिन्सों के निर्यात के लिए कोई मात्रा नियत करने की आवश्यकता नहीं होती क्योंकि एक जिन्स की आवश्यकता इसके एवज में उपलब्ध जिन्स की उपलब्धता से प्रभावित हो सकती है । तथापि, सरकार की यह नीति है कि निर्यात का निर्णय इस प्रकार लिया जाए कि जनसामान्य के उपभोग की वस्तुओं की घरेलू उपलब्धता प्रभावित न हो ।

(ग) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय से उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 1991-92 तथा 1992-93 (अप्रैल से अगस्त) के दौरान निर्यात किए गए विभिन्न कृषि एवं खाद्य उत्पादों की मात्रा एवं मूल्य विवरण-2 में दिए गए हैं **(नीचे देखिए)** ।

(घ) कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने विभिन्न प्रोत्साहन घोषित किए हैं, जिनका विवरण नीचे दिया गया है :—

(1) अल्कोहलयुक्त पेयों के आसवन तथा मद्य तैयार करने वाले तथा खासतौर से लघु उद्योगों क्षेत्र में विनिर्माण के लिए आरक्षित उद्योगों को छोड़कर, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को कुछ शर्तों के अधीन लाइसेंस से मुक्त कर दिया गया है ।

(2) खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को एक करोड़ रुपये की एक मुश्त अदायगी तक के विदेशी अनुबंधों के लिए स्वतः अनुमति ।

(3) 1992-93 के बजट प्रस्ताव के अनुसार कांच के पात्रों पर लगने वाले उत्पाद शुल्क में 40 प्रतिशत से 30 प्रतिशत की तथा परियोजना आयात पर सीमा शुल्क में 80 प्रतिशत से 50 प्रतिशत की कमी ।

(4) कतिपय खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की मशीनरी पर रियायती उत्पाद शुल्क ।

(5) शत प्रतिशत ई.ओ.यू. योजना के तहत स्थापित खाद्य प्रसंस्करण एककों को अनेक लाभ ।

(6) नए एकीकृत खाद्य प्रसंस्करण एककों की स्थापना के साथ-साथ वर्तमान एककों के आधुनिकीकरण, विविधीकरण तथा विस्तार आदि के लिए सहायता प्रदान करने, अनुसंधान एवं विकास योजनाओं तथा ग्रेन मिलिंग सेक्टर के आधुनिकरण हेतु प्रौद्योगिकी उन्नयन के लिए राज्य सरकारों/निगमों/सहकारी समितियों/संयुक्त क्षेत्र के उपक्रमों को सहायता देने आदि की भी स्कीमें हैं ।

विवरण–1

1991–92 के दौरान देश में प्रमुख कृषि जिन्सों के उत्पादन से संबंधित अनुमान

जिन्स	इकाई	उत्पादन
चावल	मिलियन टन	73.66
गेहूं	,,	55.09
मोटा अनाज	,,	26.26
दलहन	,,	12.05
कुल खाद्यान्न	,,	167.06
मूंगफली	लाख टन	70.66
सोयाबीन	,,	22.75
कुल तिलहन	,,	182.77
कपास	170 कि० ग्राम की लाख गांठें	98.36
जूट/मेस्ता	180 कि० ग्रा० की लाख गांठें	101.82
गन्ना	मिलियन टन	249.26
तम्बाकू*	लाख टन	5.85
आलू*	लाख टन	153.16
प्याज*	,,	33.00
केला*	,,	67.74
काली मिर्च*	,,	0.49
लाल मिर्च*	,,	6.17
अदरक*	,,	1.56
हल्दी*	,,	3.49
सुपारी*	,,	2.53
धनिया*	,,	1.48
इलायची*	,,	0.09

*अनन्तिम

विवरण 2

1991-92 तथा 1992-93 (अप्रैल से अगस्त) के दौरान निर्यात किए गए विभिन्न कृषि एवं खाद्य जिन्सों की मात्रा तथा मूल्य

(मात्रा : टन)
(मूल्य : करोड़ रु०)

क्रम सं०	जिन्स	1991–92		1992–93 (अप्रैल–अगस्त)	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
1.	चावल	711416	754.98	262129	405.62
2.	गेहूं	568552	121.47	771	0.18
3.	अन्य अनाज	13643	6.74	9823	644.52
4.	तम्बाकू अनिर्मित	68066	312.43	32219	192.60
5.	तम्बाकू विनिर्मित	15668	64.86	3660	21.77
6.	मसाले	148760	370.40	52195	167.20
7.	काजू	64692	668.45	20520	303.17
8.	तिल एवं तिल्ली के बीज	57002	101.19	16719	33.17
9.	मूंगफली	5121	7.40	234	0.53
10.	खली	2684564	871.27	1138087	454.71
11.	चपड़ा	5677	25.10	1648	11.03
12.	शक्कर व शीरा	415617	144.23	68632	44.64
13.	काजू के द्रव छिलके	4477	3.96	1527	1.37
14.	पुष्पोत्पाद	—	13.16	—	5.08
15.	फल व सब्जियां	—	348.96	—	147.55
16.	प्रसंस्कृत फल एवं रस	—	88.38	—	50.62
17.	विविध प्रसंस्कृत वस्तुएं	—	243.99	—	44.88
18.	मांस एवं उसकी वस्तुएं	—	230.52	—	87.85
19.	स्प्रिट एवं पेय	विनिर्दिष्ट रूप से सम्मिलित नहीं	—	—	13.03
20.	गुरगम मोल	विनिर्दिष्ट रूप से सम्मिलित नहीं		17805	38.89